



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 45] नई विल्ली, रानियार, नवम्बर 8, 1980 (कार्तिक 17, 1902)

No. 45] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 8, 1980 (KARTIKA 17, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड २  
[PART III—SECTION 4]

विविध निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिकाराएँ जॉस में कि आदश, विज्ञापन और सूचनाएँ सम्मिलित हैं

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Circulars, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies.

कृषि पुनर्वित और विकास निगम

अधिसूचना

बम्बई, दिनांक 8 अक्टूबर 1980

कृषि पुनर्वित और विकास निगम सामान्य विनियमावली 1963 के विनियम 29 के अनुसरण में अधिसूचित किया जाता है कि 29 सितम्बर 1980 को हुई निगम को 17वीं वार्षिक साधारण बैठक में निम्नलिखित प्रत्याशा निगम के निदेशक चुने गये।

नाम एवं पता	किसका प्रतिनिधित्व किस अधार पर करते हैं
-------------	---

1	2	3	4
---	---	---	---

1. श्रा संगतराव एन० केन्द्रीय भूमि विकास कृपुविनि अधिनियम पाटील बैंक की धरा 10(डी) बज्जत कालोनी, मीराज रोड सागलो
--

1	2	3	4
2. श्री बीर शेट्टी कुशनूर ए-1 जयमहल एक्सटेंशन, बैंगलूर-560006।	राज्य सहकारी बैंक कृपुविनि अधिनियम की धारा 10 (ई०) के अधीन		
3. श्री पी० सी० डी० भारतीय जीवन नमियार अध्यक्ष, बीमा निगम, अनुभवीय स्टेट बैंक, भूचित बैंक, बीमा केन्द्रीय कार्यालय, नरी- तथा निवेश कंपनी पाइट, बम्बई-21 नियों तथ इन्यु वित्तीय संस्थ नों	कृपुविनि अधिनियम की धारा 10(एफ०) के अधीन		

एम० रामकृष्णाया

अध्यक्ष

## कर्मचारी राज्य बीमा नियम

नई दिल्ली, दिनांक 24 अक्टूबर, 1980

सं० एन० 15/13/13/1/78—यो० एवं विकास (1) :—  
 कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम 1950 के विनियम 5 के उपविनियम (1) द्वारा प्रदत्त व्यक्तियों वा प्रयोग करते हुए महानिदेशक ने नियम दिया कि नियम अनुसूची में निर्दिष्ट क्षेत्रों में वर्ग "क" व "ख" तथा "ग" के लिये प्रथम अंशदान एवं प्रथम नाम अवधिया विनियम 18-10-1980 की मध्य रात्रि का बीमा योग्य रोजगार में नर्य व्यक्तियों के लिये प्रारम्भ व समाप्त होगी जैसा कि नियम रुची में दिया गया है :—

## वर्ग प्रथम अंशदान अवधि

## प्रथम नाम अवधि

जिस मध्य राति को जिस मध्य जिस मध्य प्रारम्भ होती है। रात्रि को रात्रि को रात्रि को समाप्त होती प्रारम्भ होती समाप्त होती है। है। है।

क. 18-10-1980 31-1-1981 18-7-1981 31-10-1981  
 ख 18-10-1980 28-3-1981 18-7-1981 27-12-1981  
 ग. 18-10-1980 29-11-1980 18-7-1981 26-8-1981

## मूल्य :-

"उत्तर प्रदेश राज्य के जिला गोरखपुर में तहसील-र, परगना हैवेली के सरेया व अयोध्या चक राजस्व ग्राम के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र"।

सं० एन० 15/13/13/1/78—यो० एवं वि० (2) :—कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम 1950 के विनियम 95-क के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा 48(2) द्वारा प्रदत्त व्यक्तियों के प्रान्तसरण में महानिदेशक ने 19-10-1980 पैसी तारीख के रूप में नियित की है जिससे उक्त विनियम, 95-क तथा राज्य कर्मचारी राज्य बीमा नियम 1951 में निर्दिष्ट चिकित्सा हितलाभ उत्तर प्रदेश राज्य के नियमित क्षेत्रों में बीमांकित व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किये जायेंगे।

## अर्थात्

"उत्तर प्रदेश राज्य के जिला गोरखपुर में तहसील-सदर, परगना हैवेली के सरेया व अयोध्या चक राजस्व ग्राम के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र"।

फकीर चन्द्र  
 निदेशक (योजना एवं विकास)

स्थानीय ममिति: बंगलौर क्षेत्र

बंगलौर, दिनांक अक्टूबर 1980

सं० 53-वी०-34-13-4-80 समन्वयः—इसके द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि अधिसूचना की तारीख से कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के विनियम 10-क के अन्तर्गत बंगलौर क्षेत्र के लिये स्थानीय ममिति का पुनर्गठन किया गया है जिसमें नियमित राज्य

स्थानीय ममिति, बंगलौर

## 1. विनियम 10-क(1)(क) के अधीन

सम्मान आयुक्त,  
 बंगलौर

अध्यक्ष

## 2. विनियम 10-क(1)(ख) के अधीन

श्रम अधिकारी  
 बंगलौर

अध्यक्ष

## 3. विनियम 10-क(1)(ग) के अधीन

प्रभारी बीमा चिकित्सा व्यविधालय,  
 राज्य ज बीमा शौषधालय,  
 विजाई।

बंगलौर।

सदस्य

## 4. विनियम 10-क(1)(क) के अधीन

(1) श्री एन० राजगोपाला पाई,  
 मैसर्स अभियनवाल एण्ड कम्पनी लिमिटेड,  
 कुलशेकर,  
 मंगलौर-575005

सदस्य

(वैस्ट कोस्ट एम्प्लायर्स फैडरेशन ब्रिस्टन मार्ग, विलिंगडन द्वीप, कोशीन-3 के प्रतिनिधि)।

## (2) श्री के० एस० भट्ट, बी० ए० एम० ए०

संयुक्त सचिव,  
 कर्माटिक राज्य,  
 ओद्योगिक एवं वाणिज्यिक,  
 प्रबन्ध संघ,  
 कमरा नं 12-61 कार स्ट्रीट,  
 मंगलौर-575001

सदस्य

## 5. विनियम 10-क(1)(झ) के अधीन

(1) श्री जी० आर० कुरुप,  
 सीकेटरी, कर्नाटक राज्य इन्टक  
 एवं प्रैसिडेन्ट, केनरा कश्यु काफी  
 कार्डम अरेकानट एण्ड अलाइड वक्से पूनियन,  
 मंगलौर  
 के० एस० आर० मैमोरियल ट्रस्ट विल्डिंग,  
 लाइट हाऊस, हाई रोड  
 मंगलौर-575001

सदस्य

(2) श्री एच० उमा नाथ नायक,  
वाइस प्रेसीडेंट, साउथ केन्या ट्रेड यूनियन  
काउंसिल एटक, मैडन रोड,  
मुंबई

सदस्य

विनियम 10-क(1)(८) के अधीन  
प्रबन्धन

स्थानीय कार्यालय,  
कर्मचारी राज्य वीमा निगम,

मगदीर

मदस्य/सचिव

सं० 53-वी० 34-13-4-80 भमन्वय—भारत के राजपत्र के भाग 3 अनुभाग 4 दिनांक 22-12-1979 में प्रकाशित राज्यपत्र अधिसूचना का अंशिक संशोधन वारते हुए इसके द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि कर्मचारी राज्य वीमा (साधारण) विनियम, 1950 के विनियम 10-क(1) (प) के अधीन श्री डी० मोहन राव के स्थान पर श्री के० एम० सुभासाह्या, मुख्य अम कल्याण अधिकारी, मैसर्स घट्टबूब शाही कुलबर्ग मिल्स, गुलबर्गा को स्थानीय समिति, गुलबर्गा क्षेत्र के सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया है।

सं० 53/वी०/34/13/4/80-भमन्वय—भारत के राजपत्र के भाग 3 अनुभाग 4 दिनांक 3-3-79 में प्रकाशित राज्यपत्र अधिसूचना में कर्मचारी राज्य वीमा (साधारण) विनियम, 1950 के विनियम 10-क(1)(प) के अन्तर्गत ऋ० सं० 4 के नीचे संगठन का नाम 'कर्नाटक फैड-रेस्पन आफ चैम्बर आफ कामस एण्ड इन्डस्ट्री, बंगलौर' के रूप में पढ़ा जायेगा तथा कर्मचारी राज्य वीमा (साधारण) विनियम, 1950 के विनियम 10(क)(1)(ड) के अन्तर्गत उक्त अधिसूचना की ऋ० सं० 5(1) पर श्री जे० आई० महादेवन का नाम श्री डी० आई० माधवन के रूप में पढ़ा जायेगा।

आदेश से,  
एन० व्यास,  
केन्द्रीय निदेशक

## भारतीय डाक तार विभाग

डाक तार भारतिनिदेशक का कार्यालय  
नई दिल्ली, दिनांक 27 अक्टूबर, 1980

## मूल्यना

सं० 25-4/80-एल० आई०—निम्नलिखित डाक जीवन वीमा पालिसियों विभाग के संरक्षण से गुम हो गई है। यह सूचित किया जाता है कि उक्त पालिसियों का भुगतान रोक दिया गया है। निदेशक, डाक जीवन वीमा, कलकत्ता को वीमेदारों के नाम पालिसियों की दूसरी प्रति जारी करने के लिये प्राधिकृत कर दिया गया है। जनता को सावधान किया जाता है कि मूल पालिसियों के सम्बन्ध में वे कोई लेन देन न करें।

किया जाता है कि मूल पालिसियों के सम्बन्ध में वे कोई लेन देन न करें।

ऋमांक पालिसी सं० वीमेदार का नाम राशि

1. एन-37755 दिनांक 31-1-76 6313519 एल/एन के  
वैनी रु० 5000/-

सं० 25-12/80-एल० आई०—निम्नलिखित डाक जीवन वीमा पालिसियों विभाग के संरक्षण से गुम हो गई है। यह सूचित किया जाता है कि उक्त पालिसियों का भुगतान रोक दिया गया है। निदेशक, डाक जीवन वीमा, कलकत्ता को वीमेदारी के नाम पालिसियों की दूसरी प्रति जारी करने के लिये प्राधिकृत कर दिया गया है। जनता को सावधान किया जाता है कि मूल पालिसियों के सम्बन्ध में वे कोई लेन देन न करें।

ऋमांक पालिसी नं० वीमेदार का नाम राशि

1. 266050-पी० दिनांक 4-11-73 और एम० तिवारी राजन रु० 5000/-

सं० 25-18/80-एल० आई०—निम्नलिखित डाक जीवन वीमा पालिसियों विभाग के संरक्षण से गुम हो गई है। यह सूचित किया जाता है कि उक्त पालिसियों भुगतान रोक दिया गया है। निदेशक, डाक जीवन वीमा, कलकत्ता को वीमेदारी के नाम पालिसियों की दूसरी प्रति जारी करने के लिये प्राधिकृत कर दिया गया है। जनता को सावधान किया जाता है कि मूल पालिसियों के सम्बन्ध में वे कोई लेन देन न करें।

ऋमांक पालिसी नं० दिनांक वीमेदार का नाम राशि

1. सं० 368048-पी० 28-12-78 श्री राम पाल सिंह  
10,000/-

सु० च० जैन,  
निदेशक (डाक जीवन वीमा)

## एयर-इण्डिया

एयर-इण्डिया कर्मचारी भविष्य निवियम, 1954

सं० मुख्या/66-1—एयर कारपोरेशन अधिनियम, 1953 (1953 का 27) की धारा 45 द्वारा प्रदत्त भविष्यों का प्रयोग करने हुए तथा केन्द्रीय सरकार का पूर्व अनुमोदनलेने

के बाद, एअर-इण्डिया ने "एअर-इण्डिया कर्मचारी भविष्य निधि विनियम 1954" में संशोधन करते हुए निम्नलिखित विनियम बनाये हैं, वे हैं:—

1. (1) इन विनियमों को एअर-इण्डिया कर्मचारी भविष्य निधि (संशोधित) विनियम 1980 कहा जायेगा।

(2) ये विनियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से लागू होंगे।

2. एअर-इण्डिया कर्मचारी भविष्य निधि विनियम, 1954 में:—

(1) विनियम 12 के स्थान पर निम्नलिखित विनियम रखा जायेगा "12क सरकारी या सरकार के स्वामित्व या नियंत्रणाधीन निकाय की किसी भविष्य निधि में अथवा किसी निजी प्रतिष्ठान की मान्य भविष्य निधि में पहले से ही अंशदान देने वाले व्यक्ति की नियुक्ति के सम्बन्ध में प्रक्रिया निगम में नियुक्त व्यक्ति यदि सरकार या सरकार के स्वामित्व या नियंत्रणाधीन निकाय द्वारा स्थापित किसी भविष्य निधि में पहले से ही अंशदान देता रहा हो, तो उसकी भविष्य निधि की राशि के साथ साथ उसके पिछले नियोक्ता के अंशदान, यदि कोई हो तो, और ऐसी राशि पर मिलने वाले ब्याज को उसके भविष्य निधि खाते में प्रारम्भिक जमा के रूप में स्वीकार किया जायेगा। किसी निजी प्रतिष्ठान से निगम में आने वाले व्यक्ति को भी पिछले नियोक्ता के अंशदान के साथ साथ अपनी प्रक्रिया भविष्य निधि की राशि और उस पर मिलने वाले ब्याज का स्थानान्तरण करने की अनुमति दी जा सकती है, बास्तें कि वह किसी मान्य भविष्य निधि में अंशदान करता रहा हो। ऐसे व्यक्ति को निगम में उसकी नियुक्ति की तारीख से निधि का सदस्य बनने की अनुमति दी जायेगी। ऐसे कर्मचारी के लिये निगम का अंशदान उसी तारीख से स्वीकार्य होगा, जिस तारीख को वह निधि का सदस्य होगा। बास्तें कि स्थानान्तरण की स्वीकृति के बाद उक्त कर्मचारी का भविष्य निधि लेखा निधि के विनियमों द्वारा नियंत्रित हो।"

2. विनियम 19 ख में

(क) विनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उप-विनियम रखा जायेगा:—

"10 वर्ष की सेवा पूरी करलेने के बाव (इसके अन्तर्गत

एक्स एअरलाइन्स में की गई सेवा, असतत सेवा की अवधि और विनियम 12क में की गई व्यवस्था के अनुसार भविष्य निधि के स्थानान्तरण की स्वीकृति के लिये मानी गई पिछली सेवा, यदि कोई हो तो, सम्मिलित है) या अधिवासिकी व्यय पर अवकाश-ग्रहण करने की तारीख के 10 वर्ष के पहले, जो भी पहले हो, किसी भी समय, बोर्ड, किसी सदस्य को भविष्य निधि में जमा कराये गये अंशदान की राशि और उसके ब्याज में से निम्नलिखित प्रयोजनों के हेतु बापस न की जाने योग्य निकासी मंजूर कर सकता है। रिहायशी मकान खरीदने या बनवाने के लिये या इस प्रकार के मकान के निर्माण के लिये जमीन खरीदने या प्राप्त करने के लिये या ऐसी बिल्डिंग में, जो किसी कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी की है, या उसकी होने वाली है, या जिसके लिये एक कोआपरेटिव सोसायटी बनाई जाने वाली है, फ्लैट खरीदने, लेने या प्राप्त करने के लिये, या किसी प्रबलित कानून की व्यवस्थाओं के अधीन कोई फ्लैट खरीदने, लेने या प्राप्त करने के लिये या पहले से ही निजी स्वामित्व के मकान में फेरबदल करने या इस प्रयोजन के हेतु लिए गए अद्युष की बकाया राशि की अदायगी के लिए बाश्तें इस प्रकार का रिहायशी मकान या फ्लैट सदस्य के रहने के प्रयोजन के खरीदा, बनवाया, लिया या प्राप्त किया जाये या उसमें फेर बदल करवाया जाये।"

(ख) उप विनियम (7) के स्थान पर निम्नलिखित उप विनियम रखा जायेगा:

"जिस सदस्य ने भवन निर्माण के लिये निगम से अथवा आवास निर्माण मंत्रालय भारत सरकार की योजना के अन्तर्गत आवास निर्माण के लिये अग्रिम मंजूरी की योजना के अन्तर्गत पेशगी ली है या इस सम्बन्ध में उसे सरकार के किसी अन्य स्वीकृत से भारतीय जीवन बीमा निगम अथवा बैंक से कोई सहायता प्राप्त हुई हो तो, ऐसे रिहायशी मकान या जमीन की लागत और अग्रिम या सहायता की राशि जो उसे उपर्युक्त स्वीकृतों से प्राप्त हुई है, के बीच जितना अन्तर है, उतनी राशि के लिये ही वह बापस न करने योग्य निकासी के लिये पाव होगा।"

एस० नारायणस्वामी  
संचिव

Name and Address	Representing	How elected
1. Shri Sampatrao N. Patil, Vasant Colony, Miraj Road. Sangli.	Central Land Development Banks	Under Section 10(d) of ARDC Act.
2. Shri Veershetty Kushnoor, A-1, Jaimahal Extension, Bangalore-560006	State Co-operative Banks.	Under Section 10(e) of ARDC Act.
3. Shri P.C.D. Nambiar, Chairman, State Bank of India, Central Office, Narima Point, Bombay-400 021.	Life Insurance Corporation of India Scheduled Banks, of Insurance & Investment Companies & other financial institutions.	Elected under Section 10(f) of ARDC Act.

M. RAMAKRISHNAYYA  
Chairman

#### EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 24th October 1980

No. N. 15/13/13/1/78-P&D(1)...( ).—In exercise of the powers conferred by sub-regulation (1) of Regulation 5 of the Employees' State Insurance (General) Regulations 1950, the Director General has determined that in the areas specified in the Schedule given below the first contribution and first benefit periods for Sets 'A', 'B' and 'C' shall begin and end in respect of persons in insurable employment on the appointed day of midnight of 18-10-1980 as indicated in the table given below :—

Set	First contribution period		First benefit period	
	Begins on midnight of	Ends on midnight of	Begins on midnight of	Ends on midnight of
A	18-10-1980	31-1-1981	18-7-1981	31-10-1981
B	18-10-1981	28-3-1981	18-7-1981	26-12-1981
C	18-10-1980	29-11-1980	18-7-1981	29-8-1981

#### SCHEDULE

"The areas within the revenue villages of Ayodhya-Chak and Saraiya in Pargana Haweli, Tehsil Sadar, District Gorakhpur in the State of Uttar Pradesh".

No. N.15/13/13/1/78-P&D(2)...( ).—In pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 19th October, 1980 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the *Uttar Pradesh Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1951*, shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of *Uttar Pradesh* namely :—

"The areas within the revenue villages of Ayodhya-Chak and Saraiya in Pargana Haweli, Tehsil Sadar, District Gorakhpur".

FAQIR CHAND  
Director Plg. P&D

#### LOCAL COMMITTEE, BANGALORE AREA

Bangalore, the 19th October 1980

No. 53.V.34.13-4-80.COORD.—It is hereby notified that the Local Committee consisting of the following members has been reconstituted for Mangalore area under Regulation 10-A of the ESI (General) Regulations 1950 with effect from the date of the Notification.

#### LOCAL COMMITTEE : MANGALORE

1. **UNDER REGULATION 10-A(i) (a)** Chairman  
The Assistant Labour Commissioner, Mangalore.
2. **UNDER REGULATION 10-A(i)(b)** Members  
Labour Officer, Mangalore.
3. **UNDER REGULATION 10-A(i)(c)**  
Insurance Medical Officer Incharge, ESI Dispensary, Bijai, Mangalore.
4. **UNDER REGULATION 10-A(i)(d)**
  - (i) Shri. N. Rajagopala Pai, M/s. Aspinwall and Company Limited, Kulshekar, Mangalore-575 005. (representative of West Coast Employers' Federation, Briston Road, Willingdon Island Cochin-3).
  - (ii) Shri. K. S. Bhat, BA. ML, Joint Secretary, Karnataka State Industrial and Commercial Managements Association, No. 12-61, Car Street, Mangalore-575 001.
5. **UNDER REGULATION 10-A(i)(e)**
  - (i) Shri. G.R. Kurup, Secretary, Karnataka State INTUC & President, Kanara ashew Coffee Cardamom 'Areca nut & Allied Workers' Union, Mangalore, KSR Memorial Trust Building, Light House High Road, Mangalore-575 001.
  - (ii) Shri. H. Umanath Nayak, Vice-President, South Kanara Trade Union Council, AITUC, Maidan Road, Mangalore.
6. **UNDER REGULATION 10-A(i)(f)** Member/Secretary

Manager,  
Local Office,  
ESI Corporation,  
Mangalore.

No. 53.V.34.13-4-80.COORD :—In partial modification of the Gazette Notification published in Part III Section 4 of the Gazette of India dated 22-12-1979, it is hereby notified that Shri K. M. Saranabasaiah, Chief Labour Welfare Officer, M/s. Mahaboob Shahi Kulbarga Mills, Gulbarga has been nominated as a member of the Local Committee, Gulbarga area in the place of Shri. D. Mohan Rao under Regulation 10-A(i)(d) of the ESI (General) Regulations 1950.

#### BANGALORE

No. 53.V.34.13-4-80.Coord.—In the Gazette Notification published in Part III Section 4 of the Gazette of India dated 3-3-1979, below Sl. No. 4(iv) under Regulation 10-A(i)(d) of the ESI (General) Regulations, 1950 the name of the organisation shall be read as 'Karnataka Federation of Chamber of Commerce and Industry, Bangalore' and at Sl. No. 5 (i) of the said notification under Regulation

10-A(i)(e) of the ESI (General) Regulations 1950, the name of *Shri. J. I. Mahadevan* shall be read as *Shri T. I. Madhavan*.

By order  
N. VYAS  
Regional Director

**INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF THE  
POSTS AND TELEGRAPHS**

New Delhi, the 27th October 1980

**NOTICES**

No. 25-4-80-LI.—Postal Life Insurance policies particularised below having been lost from the Departmental custody. Notice is hereby given that the payment thereof has been stopped. The Director, Postal Life Insurance, Calcutta has been authorised to issue duplicate policies in favour of the insureds. The Public are hereby cautioned against dealing with the original policies :—

Serial No.	Policy Number and date	Name of the insured	Amount
1.	L-37755 dt. 31-1-76	6313519 L/NK B BENNI	Rs. 5000/-

No. 25-12/80-L.I.—Postal Life Insurance policies particularised below having been lost from the Departmental custody. Notice is hereby given that the payment thereof has been stopped. The Director, Postal Life Insurance, Calcutta has been authorised to issue duplicate policies in favour of the insureds. The Public are hereby cautioned against dealing with the original policies :—

Serial No.	Policy Number and date	Name of the insured	Amount
1.	266050-P dt. 4-11-1975	Shri M. THIAGARAJAN	Rs. 5000/-

No. 25-18/80-LI.—Postal Life Insurance policies particularised below having been lost from the Departmental custody. Notice is hereby given that the payment thereof has been stopped. The Director, Postal Life Insurance, Calcutta has been authorised to issue duplicate policies in favour of the insureds. The Public are hereby cautioned against dealing with the original policies :—

Serial No.	Policy Number and date	Name of the insured	Amount
1.	No. 368048-P dt. 28-12-78	Shri RAMPAL SINGH	Rs. 10,000/-

S. C. JAIN  
Director (PLI)

**AIR INDIA**

**Air-India Employees' Provident Fund Regulations 1954**

No. HQ/66-1.—In exercise of the powers conferred by Section 45 of the Air Corporations Act, 1953 (27 of 1953) and with the previous approval of the Central Government, Air-India hereby makes the following Regulations further to amend the Air-India Employees' Provident Fund Regulations 1954, namely :—

1. (1) These Regulations may be called the Air-India Employees' Provident Fund (Amendment) Regulations, 1980.
2. They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

**2. In the Air-India Employees' Provident Fund Regulations, 1954 :—**

1. for Regulation 12A the following regulation shall be substituted namely :— “12A. Procedure on employment of a person who was previously a subscriber to any Provident Fund of the Government or a Body Corporate owned or controlled by the Government or a recognised Provident Fund of a Private Organisation : Where a person employed in the Corporation was previously a subscriber to any Provident Fund established by the Government or by a body Corporate owned or controlled by the Government, the transfer of his Provident Fund accumulations together with the contributions of his previous employer, if any, and interest thereon from such fund shall be accepted to his credit as an initial deposit in his account in the Fund. A person joining the Corporation from a private Organisation may also be allowed the transfer of his Provident Fund accumulations together with the contributions of the employer and interest thereon provided he has been subscribing to a recognised Provident Fund. Such a person shall be permitted to become a member of the fund from the date of commencement of his employment in the Corporation. The Corporation's contribution shall be admissible to such an employee from the date of his becoming a member of the fund :

Provided that after the acceptance of the transfer, the Provident Fund account of the employee shall be governed by the Regulations of the Fund.”

**2. in regulation 18 B—**

- (a) for regulation (1) the following sub-regulation shall be substituted, namely :—

“Non-refundable withdrawal may be sanctioned by the Board to a member any time after his completing 10 years of service (including in the ex-Airlines, broken period of service and earlier service reckoned for acceptance of the transfer of Provident Fund as provided in regulation 12A, if any) or within 10 years before the date of his retirement on superannuation, whichever is earlier, from the amount of subscriptions and interest standing to the credit of the member in the Fund for meeting the cost of purchasing or constructing a dwelling house or the cost of purchasing or acquiring a house-site for such construction or the cost of purchasing, taking or acquiring a flat in building belonging to or which is to belong to a Co-operative Housing Society or in respect of which Co-operative Housing Society is to be formed or the cost of purchasing, taking or acquiring a flat under the provisions of any law in that behalf for the time being in force, or making additions or alterations to a house already owned or repaying any outstanding amount on account of loan expressly taken for this purpose; provided that such dwelling house or flat is to be purchased, constructed, taken, acquired or altered for the purpose of the residence of the member.”

- (b) for sub-regulation (7) the following sub-regulation shall be substituted, namely :—

“A member who has availed of advance for housing from the Corporation or under the Scheme of the Government of India in the Ministry of Works and Housing for the grant of advances for house building purpose or has been allowed any assistance in this regard from any other Government source, the Life Insurance Corporation of India, the General Insurance Corporation of India or from a Bank shall not be eligible for the grant of non-refundable withdrawal except to the extent of the difference between the cost of such dwelling house or site and the amount of advance or assistance availed of by him from the above mentioned sources.”

S. NARAYANASWAMY,  
Secretary